हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, मंगलवार 20 जनवरी 2026

11 रात्रि ठहरावः डीसी की युवाओं को नशे से दूर रहने ...

12 नेशनल बॉक्सिंग में झटके 19 मेडल...

खबर संक्षेप

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

बहादुरगढ़। कार की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पीजीआई रोहतक में भर्ती कराया गया है। घायल की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। एमपी माजरा निवासी जसबीर ने बताया कि बादली में लाडपुर मोड़ पर उसकी मिठाई की दुकान है। वह बाइक से दुकान पर जा रहा था। जब गांव में खाटूश्याम मंदिर के पीछे वाले रोड पर पहुंचा तो एक कार ने सीधी टक्कर मार दी और फरार हो गया। परिजन अस्पताल लेकर गए। जहां से पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। घायल की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया।

राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी छह से

झज्जर। पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग के उपनिदेशक डॉक्टर मनीष डबास ने बताया कि कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड मेला ग्राउंड में आगामी छह फरवरी से आठ फरवरी तक तीन दिवसीय 41वीं राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रदेश भर से लगभग 1500 उन्नत नस्ल के पशु विभिन्न श्रेणियों में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि पशुपालन विभाग झज्जर द्वारा पशुपालकों को प्रदर्शनी स्थल तक ले जाने व वापस लाने के लिए प्रतिदिन दस बसों की व्यवस्था की गई है।

एकाएक मौसम में बदलाव, तापमान बढ़ा

बहादुरगढ़। चंद दिनों के भीतर मौसम में काफी परिवर्तन आया है। न्यूनतम और तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। सोमवार को इलाके में अधिकतम तापमान 24 तो न्यूनतम 11 डिग्री दर्ज किया गया। दरअसल, 15 जनवरी तक न्यूनतम तापमान 2 डिग्री तो अधिकतम तापमान 16 डिग्री के आसपास था। इसीके बाद 16 जनवरी से लगातार तापमान बढ़ रहा है। बीते दो तीन दिन से तेज धूप खिल रही है। वहीं रात के समय भी अधिक ठंड नहीं पड़ रही। सोमवार की दोपहर भी तेज धूप खिली रही। लोगों ने धूप का आनंद लिया। एकाएक मौसम में आए बदलाव का लोगों की दिनचर्या भी असर देखने को मिला है। चिकित्सकों ने ऐसे मौसम में लोगों से सेहत का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है।

बिजली संबंधी शिकायतें आज सुनीं जाएंगी

झज्जर। उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा अधीक्षण अभियंता कार्यालय में मंगलवार को बिजली अदालत व उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक का आयोजन 11 बजे से दोपहर दो बजे तक किया जाएगा। यह अदालत फोरम के चेयरमैन एवं बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता ऑप्रेशन सर्कल झज्जर की अध्यक्षता में होगी। प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान बिजली बिल, कनेक्शन और अन्य तकनीकी समस्याओं से जुड़े परिवादों की समीक्षा की जाएगी।

घर में घुसकर मां बेटे पर हमला, मामला दर्ज

बहादुरगढ़। सीवर की गंदगी को लेकर छोटूराम नगर में दो पक्ष भिड़ गए। इस दौरान मकान में घुसकर मां, बेटा पर हमला कर दिया गया। हमले में दोनों को काफी चोट आई। इस संबंध में पुलिस को शिकायत दे दी गई है। छोटूराम नगर निवासी संजीत ने बताया कि उन्होंने यहां पर अपना मकान बनाया है। गली में सीवर का पानी जमा हो गया था। उसकी सफाई भी कराई गई। इसको लेकर उक्त लोगों द्वारा पहले भी गाली गलोच किया गया है। अब रविवार रात के समय कुछ लोग उनके घर के अंदर घुस गए और आते ही उन्होंने मेरी मां सुमनलता और मुझ पर हमला कर दिया। हमें में हमें काफी चोट आई। घर में घुसकर मारपीट करने वालों की वीडियो भी बनाई गई, तभी वे धमकी देकर भागे।

व्हाट्सएप कॉल कर युवक ने दी धमकी बोला, गोदारा गैंग के लिए करता हूं काम

पीड़ित ने बताया कि 15 जनवरी को दोपहर दो बजे अज्ञात व्यक्ति ने 351 965 511 352 से कॉल कर पैसे देने की मांग की थी

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

शहर के निजी मेडिकल संचालक को दो करोड़ रुपये की फिरौती दिए जाने की धमकी दी गई है। व्हाट्सएप कॉल पर धमकी देने वाले युवक ने अपना नाम महेंद्र बताते हुए कहा कि वह रोहित गोदारा के लिए काम करता है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित संचालक ने बताया कि उसे बीती 15 जनवरी को दोपहर दो बजे अज्ञात व्यक्ति द्वारा नंबर 351 965 511 352 से कॉल आई। जिसमें कॉल करने वाले व्यक्ति ने अपना नाम महेंद्र बताया। उसने दो करोड़ रुपये की फिरौती की मांग की तथा यह भी कहा कि वह रोहित गोदारा के लिए काम करता है। उसने धमकी दी कि यदि उसके द्वारा मांगी गई रकम नहीं दी गई, तो मुझे तथा मेरे परिवार को जान से मार दिया जाएगा। शिकायत में कहा गया कि उक्त घटना से मैं व मेरा परिवार भयभीत है। मुझे व मेरे परिवार को सुरक्षा उपलब्ध करवाई जाए और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए।

मेडिकल स्टोर संचालक से दो करोड़ की रंगदारी मांगी

विधायक वत्स को धमकी देने के मामले में आरोपी धरा

झज्जर। बादली से कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स को जान से मारने की धमकी देने मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि पुलिस द्वारा इस संबंध में कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं की है। लेकिन सूत्रों के मुताबिक पुलिस द्वारा आरोपी को कानपुर से गिरफ्तार किया गया है और पुलिस द्वारा आरोपी को झज्जर लाया जा रहा है। बताया यह भी जा रहा है कि सुरक्षा कारणों या फिर किसी बड़े नेटवर्क के खुलासे होने के की संभावाना होने के कारण पुलिस अभी कुछ कहने से बच रही है।

कबलाना में हुई फायरिंग मामले में हथियार और गाड़ी बरामद, आरोपी को भेजा जेल

झज्जर। गांव कबलाना में रिटायर्ड पुलिसकर्मी पर फायर करने मामले में पकड़े गए आरोपी को रिमांड अवधि समाप्त होने पर स्थानीय अदालत में पेश किया। जहां से अदालत के आदेशानुसार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद ने बताया कि आपसी रंजिश के चलते आरोपी जगमेंदर ने जगजीत पर जानलेवा हमला किया था। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही परवारदात में प्रयोग की गई बंदूक व गाड़ी बरामद की गई है।

तबीयत बिगड़ने से दो लोगों की मौत

सरकारी अध्यापक छत पर बेसुध मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

इलाके में तबीयत बिगड़ने से दो लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति छत पर मृत अवस्था में मिला तो दूसरा मकान में मिला। हृदयाघात से मौत की आशंका जताई जा रही है। असल पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो पाएगी। पहला मामला लाइनपार क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, यहां के निवासी करीब 50 वर्षीय सुभाष घर पर अकेले थे। परिवार के सदस्य कहीं बाहर गए थे। जब वापस आए तो दरवाजा बंद था। काफी खटखटाने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई तो जैसे तैसे दरवाजा खोला गया। इसके बाद देखा तो सुभाष बेसुध हालत में थे। अस्पताल में ले गए तो उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वहीं दूसरी तरफ सौलधा गांव के पास स्थित हाउसिंग सोसायटी में करीब 50 वर्षीय अरुण की मौत हो गई। अरुण पेशे से सरकारी अध्यापक थे और खरहर गांव के सरकारी स्कूल में कार्यरत थे। जानकारी के अनुसार, अरुण रात को छत पर गए थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। सोमवार सुबह जब परिवार के अन्य सदस्य उठे तो वह घर में नहीं मिले। छत पर जाकर देखा गया तो वे वहां बेसुध पड़े थे। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

करीब 50 वर्षीय सुभाष घर पर था अकेला परिवार गया था बाहर

समाधान शिविर में आईं आठ शिकायतें

झज्जर। समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल।

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

- लोगों ने बिजली, पानी, सड़क, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, पेंशन से संबंधित शिकायतें रखीं

लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने नागरिकों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं। शिविर में आठ नागरिकों ने बिजली, पानी, सड़क, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, पेंशन, पारिवारिक पहचान पत्र, भूमि संबंधी विवाद, राशन कार्ड आदि से जुड़ी शिकायतें दर्ज कराई। डीसी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। कई मामलों में विभागीय अधिकारियों से मौके पर ही रिपोर्ट लेकर तत्काल निस्तारण भी कराया गया। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत के समाधान में अनावश्यक देरी न हो।

नगर परिषद ने तोड़ी कई झुग्गियां

- कृष्णा नगर तथा एमआईई पार्ट बी में मौजूद अवैध कब्जे को लेकर की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

झज्जर रोड स्थित कृष्णा नगर तथा एमआईई पार्ट बी में मौजूद अवैध इंडस्ट्रियल वेस्ट के ठिकानों पर सोमवार को नगर परिषद की ओर से कार्रवाई की गई। इस कुछ झुग्गियां तोड़ दी गई तो दो दर्जन से अधिक खाली करवाई गई। शेष अन्य को दो दिन की मोहलत दी गई।

दरअसल, इलाके में जगह-जगह इंडस्ट्रियल वेस्ट इकट्ठे करने के ठिकाने बने हुए हैं। रबड़, प्लास्टिक आदि वेस्ट होने के कारण कई बार आग लगने की घटनाएं भी हो चुकी हैं। कृष्णा नगर में झुग्गियों और वेस्ट स्टॉक हटवाने की मांग लगातार उठ रही थी।

बहादुरगढ़। एमआईई पार्ट बी में कार्रवाई करने पहुंची टीम। *फोटो: हरिभूमि*

मोहलत दी

सोमवार को नगर परिषद के एसडीओ जोगेंद्र सिंधु व एसआई सुनील हुड्डा की अगुवाई में एक टीम कृष्णा नगर में पहुंची। यहां दर्जनभर ठिकाने हटवा दिए गए और करीब छह झुग्गियां तोड़ दी गई। इसके अलावा एमआईई पार्ट बी में भी दर्जनभर अस्थाई स्टॉक खाली कराकर कई झुग्गियां जेसीबी से ढहाई गई। इस दौरान झुग्गियों में रहने वाले लोगों ने गुहार लगाई तो कुछ लोगों को दो दिन की मोहलत दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि यदि दो दिन में सामान नहीं समेटा तो फिर सख्त कार्रवाई होगी।

फैक्ट्री में कार्यरत प्रवासी श्रमिक ने फंदा लगा जान दी

झज्जर। पोस्टमार्टम के दौरान नागरिक अस्पताल में उपस्थित परिजन। *फोटो: हरिभूमि*

- सात-आठ माह से बोतल बनाने वाली फैक्ट्री में कर रहा था काम

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

कस्बा बेरी के नजदीक स्थित एक बोतल बनाने वाली फैक्ट्री में काम करने वाले प्रवासी श्रमिक ने अज्ञात कारणों फंदा लगा लिया। मृतक की पहचान करीब अट्ठारह वर्षीय युवक विश्वजीत पुत्र विनोद रविदास निवासी गांव सरईटांड, फुलवरिया जिला गया, बिहार के तौर पर हुई है। विश्वजीत यहां बोतल बनाने वाली फैक्ट्री में पिछले सात-आठ माह से काम कर रहा था। मामले के जांच अधिकारी मिथुन कुमार ने बताया कि विश्वजीत रविवार की रात ड्यूटी से आकर फैक्ट्री के साथ बने निवास पर आया था। रात को उसने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगा ली।

युवक मानसिक रूप से था परेशान

परिजनों का कहना है कि वह पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। इस संबंध में मृतक के चाचा प्रमोद के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

पशु डेयरी में कार्यरत प्रवासी श्रमिक ने फांसी लगा दी जान

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

गांव मातनहेल में पशु डेयरी पर कार्यरत प्रवासी श्रमिक ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मूल रूप से यूपी जिला शहाजहांपुर के उदियापुर गांव निवासी करीब 23 वर्षीय शिवम पुत्र धर्मपाल के तौर पर हुई है। मामले के जांच अधिकारी महेश कुमार ने बताया कि शिवम गांव के सुरेंद्र नामक व्यक्ति की पशु डेयरी पर पिछले करीब छह माह से काम कर रहा था। रविवार को अज्ञात कारणों के चलते उसने फांसी लगा ली। उसका शव पास के पेड़ पर लटका मिला। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा पशु डेयरी संचालक से मामले की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है।

झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते पुलिसकर्मी। फोटो: हरिभूमि

खरमाण गांव में कोठड़ों के दरवाजे उखाड़ मोटरें चुराईं

मोटर चोरी होने से जलापूर्ति हुई प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

गांव खरमाण के खेतों में चोरी की वारदात हो गई। खेत में बने कोठड़ों के दरवाजे उखाड़ कर मोटरें चुराई गई हैं। इस वारदात से जहां एक किसान को आर्थिक हानि हुई है तो वहीं गांव की जलापूर्ति भी बाधित हो गई। इस संबंध में ग्राम सरपंच की ओर से पुलिस को शिकायत दे दी गई है।

पुलिस को दी शिकायत में प्रवीण ने कहा है कि वह खरमाण के मौजूदा सरपंच हैं। गांव में नहर की तरफ रामफल के खेत में बने कोठड़े में बिजली की मोटर लगवा रखी है। इस मोटर के जरिये गांव में पानी की सप्लाई होती है। कौशल के अधीन कार्यरत साहिल सोमवार की सुबह जब खेत में गया तो कोठड़े का दरवाजा टूटा हुआ था। अंदर देखा तो पानी की मोटर नहीं थी। उसने सूचना दी तो हम मौके पर पहुंचे। आसपास पूछताछ की तो एक किसान संदीप के कोठड़े से भी मोटर गायब थी। इस वारदात के चलते गांव में पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई। वहीं सूचना पाकर सदर थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

नागरिक अस्पताल बहादुरगढ़ को मिला 89.05 प्रतिशत का समग्र स्कोर

नागरिक अस्पताल को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन

अस्पताल के 15 विभागों का किया गया था गहन मूल्यांकन

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

अक्सर समस्याओं से घिरे रहने वाले बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल को बड़ी उपलब्धि मिली है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र द्वारा संचालित एनक्वाश, लक्ष्य और मुस्कान के तहत अस्पताल को गुणवत्ता प्रमाणन प्रदान किया गया है।

प्रिंसिपल मेडिकल ऑफिसर डॉ. मंजू कादियान ने बताया कि यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि 17 से 19 नवंबर 2025 तक NHSRC द्वारा नामित विशेषज्ञों की टीम ने अस्पताल का राष्ट्रीय स्तर पर बाह्य मूल्यांकन किया, जिसमें सभी निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर अस्पताल खरा उतरा। अस्पताल के 15 विभागों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें नागरिक अस्पताल बहादुरगढ़ ने 89.05 प्रतिशत का समग्र स्कोर प्राप्त किया। वहीं मातृ एवं नवजात देखभाल पर केंद्रित लक्ष्य कार्यक्रम के तहत लेबर रूम और मैटरनिटी ऑपरेशन थिएटर का आकलन हुआ। लेबर रूम ने 89.16 प्रतिशत तथार मैटरनिटी ओटी ने 88.80 प्रतिशत स्कोर हासिल किया। शिशु एवं बाल रोग सेवाओं को सुरक्षित और बाल-अनुकूल बनाने वाले मुस्कान कार्यक्रम के अंतर्गत पीडियाट्रिक ओपीडी, पीडियाट्रिक वार्ड और विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई का मूल्यांकन किया गया। इन सेवाओं को 88.99 प्रतिशत के समग्र स्कोर के साथ गुणवत्ता प्रमाणन प्रदान किया गया।

विश्वास बढ़ेगा

डॉ. कादियान ने इस सफलता का श्रेय चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल कर्मियों, प्रशासनिक अधिकारियों और सहयोगी स्टाफ की टीमवर्क व निरंतर मेहनत को दिया। अस्पताल के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. देवेंद्र मेघा ने कहा कि इस प्रमाणन से नागरिकों का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं और नागरिक अस्पताल पर विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

झज्जर चुंगी पर लगे कैमरे चोरी

- प्रशासन की ओर से बीसीसीआई के सहयोग से विभिन्न चौक चौराहों पर लगवाए गए हैं बड़ी संख्या में कैमरे

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

सुरक्षा की दृष्टि से लगाए जाने सीसीटीवी भी बहादुरगढ़ में सुरक्षित नहीं हैं। यहीं कई बार वारदातों में सीसीटीवी कैमरे चुराए जा चुके हैं। अब हाल ही में यहां झज्जर चुंगी से तीन कैमरे गायब हो गए हैं। कैमरे चोरी हुए है या मरम्मत आदि कारणों के चलते उतारे गए, ये अभी सष्ट नहीं है। इस संबंध में फिलहाल पुलिस को भी जानकारी नहीं है और न ही चोरी संबंधित कोई शिकायत प्राप्त हुई है। दरअसल, शहर में सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन की ओर से बीसीसीआई के सहयोग से विभिन्न चौक चौराहों पर बड़ी संख्या में सीसीटीवी लगवाए गए थे। सिटी सर्विलांस के तहत इनका कंट्रोल रूम सिटी थाने में बनाया गया, ताकि निगरानी की जा सके। सब्जी मंडी के निकट झज्जर चुंगी पर भी कैमरे लगाए गए थे लेकिन हाल ही में यहां परशुराम मार्ग, झज्जर रोड और बादली रोड पर लगे तीन कैमरे गायब हैं। खंभों पर केवल कैमरे के स्टैंड रह गए हैं। आसपास दुकानदारों को भी इस बारे में कुछ स्पष्ट मालूम नहीं कि कैमरे कब गायब हुए।

बहादुरगढ़। बिन कैमरे के पोल पर लगे स्टैंड। *फोटो: हरिभूमि*

पुलिस भी मामले से अनभिज्ञ

किसी दुकानदार ने बताया कि चोरी हुए हैं तो किसी ने मेंटनेंस संबंधित संभावना जताई। हैरानी भरी बात ये कि पुलिस भी मामले से अनभिज्ञ है। सिटी थाना प्रभारी की मानें तो उन्हें इस संबंध में फिलहाल कोई शिकायत या सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

हरिभूमि
सहेली

विशेष: गणतंत्र दिवस
वसंत पंचमी, बालिका दिवस

भारतीय स्त्रियां गणतांत्रिक व्यवस्था के प्रति पूरी आस्था रखती हैं, वे इसे व्यापक संदर्भों में देखती हैं। उनके लिए गणतंत्र केवल एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं, परिवार-समाज की एक ऐसी संरचना है, जो आपस में सबको जोड़ती है। स्त्रियों का मानना है, घर का संविधान शब्दों में नहीं, व्यवहार में लिखा जाता है, जो जीवन मूल्य सहेजता है। आज की स्त्रियों का यह भी मानना है कि घर-परिवार का लोकतंत्र मजबूत है तो देश का गणतंत्र भी हमेशा मजबूत रहेगा।

नए युग में स्त्री के लिए गणतंत्र के मायने

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

कभी-कभी बदलाव शोर मचाकर नहीं, दबे पांव भी आते हैं और भीतर ही भीतर विचलित कर देते हैं। ऐसे बदलाव धीरे से आकर हमारे भीतर बैठ जाते हैं, हमें पता तब चलता है, जब हम स्वयं को पहले जैसा नहीं पाते। इस तकनीकी युग के आगमन के साथ स्त्री की सजगता और स्वतंत्रता के दायरे में एक मौन के साथ गहरा बदलाव घटित हुआ है। यह बदलाव केवल सुविधा का नहीं, बल्कि मां के अनुभव और उसकी नैतिक समझ को चुनौती देने वाला है, मानो समय के प्रवाह में अचानक आईने रख दिए गए हों, जिनमें स्त्री को स्वयं को नए सिरे से देखने की चुनौती आ खड़ी हुई हो। खासतौर पर वे स्त्रियां, जिनके बच्चे बढ़ रहे हैं, पढ़ रहे हैं। जिन्हें बच्चों के अनुभव, अनुभूति, अभिव्यक्ति को तराशना है, उनके लिए यह तकनीकी दौर का संविधान, पहेली जैसा है।

बदलते समय का चक्र: सत्तर के दशक की मां के हाथ में छड़ी होती थी। वह छड़ी क्रूरता का प्रतीक नहीं, बल्कि वह स्पष्टता का संकेत थी। उसमें सीमा थी, अनुशासन था, और एक ऐसी नैतिक रेखा थी, जिसे लांघने से पहले बच्चा ठिठकता था, सोचता था, डरता था। फिर भी उस दौर की मां को उसकी संतान डर से नहीं, प्रेम, भरोसे और एक सहज स्नेह के साथ देखती थी। समय बदला। मां ने भी समय के साथ स्वयं को बदला। मांओं की दुनिया में घर के अलावा विद्यालय, ऑफिस, हवाई अड्डे, बस अड्डे आदि जुड़ने लगे तो उनके हाथ में छड़ी की जगह उपहार आ गए, संवाद, सुविधा, समझाइश, सहमति। यह परिवर्तन किसी हार का नहीं, संवेदनशीलता के विस्तार की यात्रा के रूप में देखा गया। लेकिन समय यहीं नहीं रुका। यह ऐसा समय है, जो न छड़ी से अनुशासित होता दिख रहा है और न ही उपहारों से साधा जा सकता है। यह न स्नेह से पिघलता है, न डांट से रुकता है। यहां स्कूल का होमवर्क हो या बहुराष्ट्रीय कंपनियों का जटिल डेटा, सब कुछ क्षण भर में सुलझ जाता है। स्त्री यह सब देख रही है।

जटिलताओं का अंबार: मां की भूमिकाएं बदल रही हैं। आज की स्त्री के पास जटिलताओं का अंबार है। उसे अपने भीतर ठहरकर सोचना होगा कि यदि सब कुछ इतना तात्कालिक, असुविधा रहित होता चला गया, तो अनुभव कहां जाएगा? संघर्ष कहां टिकेगा? चिंतन की वह धीमी आग कहां सुलगेगी, जो मनुष्य को मनुष्य बनाने में मदद करती है। ऐसी विधि जो मनुष्य को केवल सक्षम नहीं, संवेदनशील भी बनाती है। भय यह नहीं है कि एक दिन मशीन मनुष्य बन जाएगी। भय यह है कि मनुष्य अपने सोचने, ठहरने और गलती करने के अधिकार से वंचित हो जाएगा, और तब यह दुनिया कैसी होगी, इसकी कल्पना ही सिहरन पैदा करती है, क्योंकि जिस गति से मनुष्य दौड़ रहा है, वह मानव तो रहने वाला है नहीं। यहीं से स्त्री का गणतंत्र जन्म लेता है। किसी उद्घोष से नहीं, बल्कि इस गहरी चिंता से कि मनुष्य कैसे बचा रहे?

स्त्री के लिए संविधान शब्दों से नहीं व्यवहार से लिखा जाता है: अंतिम निर्णय किसी बाहरी व्यवस्था से नहीं, मनुष्य के भीतर रचे गए विवेक से जन्म लेता है। स्त्री इस विवेक को जानती है, इसलिए उस पर भरोसा करती है। उसके घर का संविधान शब्दों में नहीं, व्यवहार में लिखा जाता है, जहां संवेदना कोई सजावटी मूल्य नहीं, बल्कि जीवन की अमूल्य शर्त है। वहां दक्षता उपयोगी हो सकती है, पर निर्णायक नहीं, उपलब्धि दिख सकती है, पर मनुष्यता से बड़ी नहीं होती। आज की स्त्री दोहरे मोर्चों पर डटी है। वह ऐसा घर बनाना चाहती है, जहां गणतंत्र किसी एक दिन का उत्सव न रहे, रोज का अभ्यास बने। छोटे-छोटे निर्णयों में, सुने गए प्रश्नों में, रोके गए मुद्दों में और उस सावधानी में, जिससे मनुष्य को परिणामों में नहीं बदला।

आज की सबसे बड़ी चुनौती: स्त्री जानती है कि प्रतीक जरूरी हैं, पर संरचना सजगता से बनती है। आज की स्त्री अनुभव से सीख चुकी है कि यदि घर के भीतर लोकतंत्र जीवित है, तो वह अपने घर को प्रयोगशाला नहीं बनने देगी। वह नहीं चाहेगी कि बच्चे आंकड़ों में ढलें और संबंध माप-तौल में सिमट जाएं। आज की स्त्री की समझ सीधी भी है और गहरी भी। अगर नहीं है तो वह अपनी समझ गहरी करती है, क्योंकि घर के भीतर लोकतंत्र जीवित रहा, तो देश के गणतंत्र को बचाने के लिए बाहर किसी संघर्ष की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। मानवता का गणतंत्र न भय पर टिका है, न किसी प्रलोभन पर, बल्कि उस स्वतंत्र सोच और सजग उपस्थिति पर टिका है, जो समय की आंखों में आंखें डालकर प्रश्न कर सके। क्योंकि जीवन भूलों में रहकर ही अपने लिए बेहतर चुनना सीखता है, और यही प्रक्रिया मनुष्य को मनुष्य बनाए रखती है। पर जिस गति से मशीन, मानवीय समय को स्थिर करती हुई मानकीकृत शक्ति को भस्मासुर की तरह बढ़ा रही है, वहां सबसे बड़ी चुनौती यही है कि मनुष्य अपनी अनुभूति, धीमी गति और चूक की संभावना को बचाए रखे। ऐसे समय में स्त्री को किसी एक पक्ष में नहीं, बल्कि संतुलन साधने के उपाय खोजने होंगे, ताकि तकनीकी साधन बनी रहे, निर्णायक न बने, और जीवन अपनी स्वाभाविक लय में बहता रहे। यही उसका गणतंत्र है, अघोषित, पर हर दिन जिया जाने वाला, निरंतर।

स्त्री के लिए चेतना की एक संरचना है गणतंत्र

आज की जागरूक स्त्री के लिए गणतंत्र केवल कोई राजनीतिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि चेतना की एक संरचना है। एक ऐसा आंतरिक संविधान, जो शोर में नहीं, आत्मसंवाद में रचा जाता है। यह वह गणतंत्र है, जहां सुविधा से पहले विवेक की बात की जाती है। गति से पहले ठहराव आता है और उत्तर से पहले प्रश्न पूछे जाते हैं। क्योंकि प्रश्न पूछना ही मनुष्य की अंतिम आजादी है। स्त्री जानती है कि तकनीक को न तो पूरी तरह नकारा जा सकता है, न आंख मूंदकर अपनाया जा सकता है। इसलिए वह गणतंत्र की गरिमा संसद के शोर में नहीं, अपने घर की चुप्पी में बचाने का संकल्प लेती है। घर जहां वह हर दिन, अनजाने ही, अपना संविधान लिखती है। इस संविधान में सबसे पहले अनुभव का अधिकार सुरक्षित होता है। हर समस्या का त्वरित समाधान नहीं दिया जाता। बच्चे को सोचने दिया जाता है, उलझने दिया जाता है, गिरने और उठने का अवसर दिया जाता है, क्योंकि जीवन उत्तरों से नहीं, प्रक्रिया और प्रतिक्रिया से बड़ा होता है। यहां प्रश्न पूछना अपराध नहीं होता। यहां असहमति अवज्ञा नहीं कहलाती। मशीन से उत्तर लेने से पहले मनुष्य से संवाद किया जाता है। शब्दों के बीच की खामोशी को भी सुना जाता है, समझा जाता है। यहां तकनीक साधन होती है, निर्णायक नहीं। चैटजीपीटी सहायक है, जीवनचर्या का विकल्प नहीं।

नेतृत्वशील बनकर मजबूत करें देश का गणतंत्र

अगर आपके भीतर नेतृत्व के गुण हैं तो आप सशक्त होकर देश के गणतंत्र को भी मजबूत करने में अपना योगदान दे सकती हैं। नेतृत्वशील कैसे बनें, जानिए-

भूमिका

नलिन खोईवाल

आप किसी भी क्षेत्र में हों, आपके भीतर नेतृत्व क्षमता यानी लीडरशिप की क्वालिटी है तो आप न सिर्फ तरक्की पाएंगी, सशक्तिकरण की राह पर भी आएंगी। इस तरह महिलाएं सशक्त बनकर, अपने दायित्वों का सही ढंग से निर्वाह करके देश के विकास में अपना योगदान देकर, देश का गणतंत्र मजबूत कर सकती हैं। आप भी नेतृत्वशील बनिए। इसके लिए आपके भीतर कुछ खूबियों का होना जरूरी है, ये कौन-सी हैं, जानिए-

त्वरित निर्णय लेने की क्षमता: अच्छा नेतृत्व वही कर सकता है, जो अच्छा प्रबंधक हो। अच्छा प्रबंधक बनने के लिए त्वरित निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कोई बात सही है या नहीं, योजना उचित है या नहीं, निर्णय न्यायसंगत है या नहीं, इसके लिए स्वविवेक से निर्णय लेने की भी क्षमता होना बहुत जरूरी है।

दृढ़ इच्छाशक्ति और सेवाभावी: कुशल नेतृत्व वही कर सकता है, जिसके भीतर दृढ़ इच्छाशक्ति और पक्का इरादा हो। आप जो भी निर्णय लें दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास के साथ लें। साथ ही आपका व्यक्तित्व सेवाभावी और दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने वाला भी होना चाहिए।

चेहरा हो मुस्कान भरा: एक हंसता-मुस्कराता चेहरा, सौ मर्ज की दवा है। एक मधुर मुस्कान भारी से भारी थकान को चुटकी में दूर कर देती है। सफल प्रबंधन के लिए जरूरी है कि आप स्वभाव से हंसमुख भी हों।

ईमानदार, सामर्थ्यवान और बुद्धिमान बनें: आप जिस भी संस्थान में काम कर रही हों, वहां पूरी लगन, निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करें। काम कितना ही बड़ा और जटिल क्यों न हो, आपके भीतर उसे पूरे आत्मविश्वास के साथ करने की सामर्थ्य होनी चाहिए।

सोच हो सकारात्मक: आप जहां भी अपनी सेवाएं दें, नकारात्मक विचारों को त्यागकर सकारात्मक सोच के साथ अपनी सेवाएं दें। जैसी दृष्टि होगी, वैसी ही सृष्टि होगी। कर्म में विश्वास करें और औरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

समय प्रबंधन हो कुशल: नेतृत्व में कुशल महिलाएं हमेशा समय का उचित प्रबंधन करके चलती हैं, क्योंकि कम समय में बहुत सारे काम करने होते हैं। समय के साथ चलें और समय की कीमत को पहचान कर आगे बढ़ें। सफलता के लिए जरूरी है कि कार्य की प्राथमिकता तय कर कार्यों का निष्पादन करें।

बनें परिवर्तनशील और बढ़ावा दें नवचारिता को: परिवर्तन संसार का नियम है, परिस्थितियों के अनुसार प्रतिष्ठान की कार्यशैली में बदलाव करती रहें। नए-नए प्रयोग कर नवचारिता को बढ़ावा दें। इससे संस्थान में स्वस्थ वातावरण बनेगा, सबकी कार्यक्षमता बढ़ेगी।

हो समर्पण और टीम भावना: आप काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहें और जरूरत पड़ने पर त्याग करने के लिए तत्पर रहें। सभी को साथ लेकर चलें, टीम भावना का विकास करें, क्योंकि संगठन में ही शक्ति है।

व्यक्तित्व हो सरल-सादगीपूर्ण: आपका व्यक्तित्व ऐसा सरल और सादगीपूर्ण होना चाहिए कि दूसरों पर एक अच्छा प्रभाव छोड़े और आप लोगों के लिए एक मिसाल बनें। दिखावे की जिंदगी न जिएं। सादा जीवन-उच्च विचार को महत्व दें।

व्यवहार हो मृदु: एक टीम लीडर के रूप में आपका प्रयास यही हो कि कार्यालय में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहे, इससे लोग अनावश्यक तनाव से बचे रहेंगे। आप भी निश्चिंत होकर अपने कार्य का निर्वहन अच्छे से कर पाएंगी।

यहां बताई गई इन बातों को ध्यान में रखेंगी तो सफलताएं आपकी कदम चूमेंगी। देश के विकास में आपकी अहम भूमिका होगी।

वसंत ऋतु में निहित भावबोध को समझें तो यह हमारे भीतर की एक अनुभूति भी है, जीवन जीने की एक कला है। आज की स्त्रियां इस जीवन कला को पूरे मन से अपना रही हैं, अपने संग अपनों के जीवन को वासंती रंगों से संवार रही हैं।

वसंत को जीवनपर्यंत जीती हैं स्त्रियां

जीवनशैली

सरस्वती रमेश

वसंत ऋतु परिवर्तन, सृजन, ज्ञान और नवजीवन का द्योतक है। माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाने वाला वसंत पंचमी, शीत ऋतु के अंत और वसंत ऋतु के आगमन का संदेश लेकर आता है। एक तरह से यह प्रकृति की ऊष्मा को जीवन में उतारने का संदेश लेकर भी आता है। इस संदेश को अपनाने में महिलाएं सबसे आगे होती हैं। वसंत और महिलाओं की प्रकृति का यह साम्य आजीवन बना रहता है।

घर में बिखेरती हैं वसंत की सुगंध: एक स्त्री के जीवन का वसंत ठीक वैसा ही होता है, जैसा प्रकृति के बाहरी स्वरूप में दिखाई पड़ता है। जिस तरह प्रकृति अपने भीतर के साज, कोमलता, रंग, गंध और जीवन को वसंत के माध्यम से अभिव्यक्त करती है, ठीक वैसे ही एक स्त्री प्रकृति के इन विशेषणों को अपने जीवन और आचरण में धारण कर अपने घर-परिवार में बारहों महीने वसंत होने का अहसास भरती है। कोयल के कूकने में, आम्र मंजरियों की सुगंध में, सरसों के पीले फूलों को देखने में जो आनंद की अनुभूति होती है, कुछ-कुछ वैसी ही अनुभूति एक स्त्री सुबह-सुबह चाय की प्याली में भर कर घर भर में बिखेर देती है। उसके पकाने-खिलाने, सजाने-संवारने, पालने-पोसने से जुड़ी हर क्रिया में वसंत का ही राग और रंग निहित होता है। परिवार के हर सदस्य की जरूरत का ख्याल रखकर उनके जीवन में खुशी और संतुष्टि के फूल घर की स्त्री ही खिलाती है। स्त्री के परिश्रम और समर्पण से ही उसके घर के कोने-कोने में वसंत हर समय मुस्कुराता है।

अपनों के जीवन में घोलती हैं रंग: स्त्रियों के जीवन का वसंत कोमल या संकुचित नहीं जीवंत, कर्मठ और विस्तृत होता है। आज की स्त्री अपने जीवन में वसंत लाने के साथ ही अपने पूरे परिवार के सपनों में रंग भी भरती है। वसंत का अर्थ भी यही है। हर ओर फूल, हर ओर हरियाली, हर ओर खुशहाली। उसका मानना है कि जब तक परिवार का प्रत्येक सदस्य अपने जीवन में संतुष्टि, कामयाबी, प्रेम, अपनत्व और प्रसन्नता का वसंत नहीं महसूस करेगा, तब तक उसके जीवन में आया वसंत एकाकी और उल्लासहीन रहेगा। उसमें उल्लास तभी शामिल होगा, जब उसके अपनों के मन के तार भी एक साथ झंकृत हों। इसीलिए आज की स्त्रियों ने घर-परिवार और बाहरी संसार के बीच कुछ इस तरह संतुलन बनाना सीख लिया है कि हर ओर वसंत मुस्कुरा उठे।

पराए को बना लेती हैं अपना: स्त्री के जीवन में वसंत जीवन भर उसके संग-संग सहचर बना रहता है। बचपन के दिनों में बाबुल के आंगन में उनकी चहचहाहट, किशोरवय की उनकी खिलखिलाहट वसंत के फूलों की तरह घर-आंगन में झरती रहती है। बेटियों के लिए उनके मां-बाप का दुलार-प्यार उनके जीवन के वसंत का सबसे मोहक पक्ष होता है। बहू के रूप में सास-ससुर, ननद, जेठ-जेठानी और देवर को सम्मान और स्नेह के सुगंध से अपना बना लेती हैं। पत्नी के रूप में अपने पति के जीवन का तो वसंत ही बन जाती हैं। ऐसी खिलती और महमहाती हैं कि पराया घर, पराए लोग कब अपने बन जाते हैं, पता ही नहीं चलता।

लुटाती हैं वसंत की ऊष्मा: स्त्रियां घर-परिवार में मनाए जाने वाले पर्व-त्योहारों में नए रंग भर देती हैं। रिश्तों में मायूसी की सारी बर्फ, ठिठुरन, ठहराव की शीत पर वसंत की ऊष्मा छिड़कते हुए हर ओर अपनेपन और प्यार के फूल खिलाती हैं, जीना सिखाती हैं।

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

स्किन को यंग बनाएगा केले का छिलका

हम अकसर केला खाने के बाद उसका छिलका डस्टबिन में फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि केले का छिलका आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा सकता है? केले का छिलका एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन बी-6, विटामिन-सी, पोटेशियम और मिनरल्स से भरपूर होता है, जो कि आपकी त्वचा और बालों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। विटामिन त्वचा को पोषण देते हैं और चमक बढ़ाते हैं। पोटेशियम त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है जबकि एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को धूप और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं।

फेस मास्क: यह फेस मास्क बनाने के लिए केले के छिलके को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इन्हें मिक्सी में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में आधा चम्मच चावल का आटा और आधा चम्मच चीनी मिलाएं। इन तीन चीजों को अच्छी तरह मिक्स करें। इस तरह आपका नेचुरल फेस मास्क तैयार हो जाएगा। इस फेस मास्क को अप्लाई करने से पहले अपने चेहरे को साफ पानी से जरूर धो लें ताकि त्वचा पर जमी मैल और गंदगी हट जाए अन्यथा इसके पॉजिटिव रिजल्ट नहीं आएंगे। इसके बाद इस फेस मास्क को त्वचा पर समान रूप से लगाएं और प्राकृतिक तौर पर सूखने दें। जब मास्क सूख जाए तो ठंडे पानी से चेहरा धो लें। इस मास्क को रोजाना एक बार लगाने से आपकी त्वचा मुलायम, साफ और चमकदार बनेगी। आप चाहें तो यह पेस्ट ज्यादा मात्रा में बनाकर एयर टाइट कंटेनर में भी रख सकती हैं और जरूरत के अनुसार इसका उपयोग कर सकती हैं।

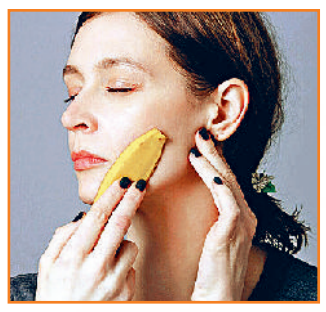

फाइन लाइंस के लिए: अगर आपके चेहरे पर समय से पहले फाइन लाइंस आनी शुरू हो गई है या दाग-धब्बों से परेशान हैं। तो भी केले का छिलका मददगार हो सकता है। इसके लिए पके हुए केले का छिलका लेकर अंदर वाले हिस्से से चेहरे पर धीरे-धीरे मसाज करें। खासकर दाग-धब्बों या पिंपल्स वाली जगह पर। इसके बाद आधे घंटे तक छोड़ दें और फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

रिंकल्सफ्री स्किन के लिए: केले के छिलके के अंदर वाले हिस्से को चेहरे पर कुछ मिनट के लिए रगड़ें, फिर गुलाब जल लगाएं। इसके बाद 25 मिनट के बाद चेहरा धो लें। बेहतर परिणामों के लिए इसका नियमित इस्तेमाल करें।

स्किन टोनिंग के लिए: केले के छिलके को मैश करके इसमें दही मिलाकर स्मूद पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने के बाद आधे घंटे के लिए छोड़ दें फिर ताजे ठंडे पानी से धो डालें। इसके नियमित उपयोग से कील-मुंहासों को चेक करने में भी मदद मिलेगी।

डार्क सर्कल के लिए: आंखों के नीचे के काले घेरे दूर करने में भी केले का छिलका असरदार साबित होता है। इसके लिए आपको सबसे पहले केले के अंदर का सारा रेशा निकालना होगा। इसमें एक चम्मच एलोवेरा जैल मिलाकर आंखों के आस-पास 15-20 मिनट लगाएं और बाद में ताजे पानी से धो डालें। इसके रोजाना उपयोग से आंखों के नीचे की रंगत में असर दिखाई देगा।

नई सोच

चैतन्या

इस बार वसंत ऋतु में सरस्वती पूजन का पर्व और राष्ट्रीय बालिका दिवस (24 जनवरी) का संयोग, अपने में कई संदेश लेकर आया है। संदेश यह कि हमारे प्रोत्साहन से बेटियां अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकती हैं।

हमारी बेटियां बनें विवेकशील-सशक्त

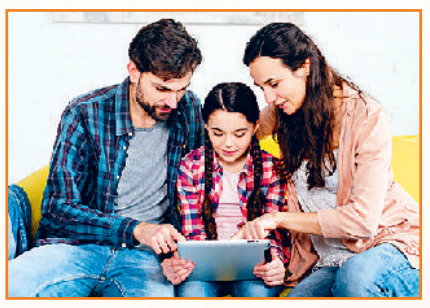

वसंत, नव सृजन और उल्लास की रुत है। यह मौसम हर ओर खिले रंग-बिरंगे फूलों और भंवरों की गुंजन के बीच नई ऊर्जा संग जीवन से जुड़ जाने का उल्लास साथ लाता है। मां शारदा की उपासना का उत्सव, वसंत पंचमी भी सर्दी के कुहासे से निकलकर प्रकृति की रौनक से मिलने का पर्व है। ज्ञान, संगीत और कला की देवी वीणावादिनी के अर्चन का पर्व मन से रचनात्मक और जीवन को उल्लासित दृष्टि से देखने वाली बेटियों के लिए भी बहुत अहम होता है। हमारे परिवारों में समय के साथ आए बदलावों ने इस पर्व को और सार्थक बना दिया है। बेटियों की शिक्षा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता के प्रति बदली सोच वसंत पंचमी के उत्सव से जुड़े सुंदर-स्नेह भरे रंगों से मिलवाती है। जिसमें देवी की आराधना के साथ ही बेटी की अनुभूतियों को समझने का भाव भी जुड़ गया है।

लाडलियों के ज्ञान का मान: बेटियां हमेशा से ही घर-आंगन की रौनक मानी जाती हैं। उनकी खिलखिलाहट के बिना हर उत्सव अधूरा लगता है। बेटियों की खुशी और उल्लास अपनों के जीवन में वासंती रंग भर देते हैं। नृत्य-संगीत जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में बेटियों की खूब रुचि रहती है। एक समय था, जब उनके अस्तित्व को घर के बाहर की दुनिया से जोड़कर नहीं देखा जाता था। कलात्मक क्षेत्रों में उनके रुझान को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन अब बेटियां अपनी कला, बुद्धि और विवेक से हर ओर छाई हुई हैं। परिवार से लेकर समाज और देश के आंगन तक, बेटियों की मौजूदगी दिखती है। उनकी भागीदारी ही नहीं ज्ञान का भी मान होने लगा है। लाडलियों की रचनात्मकता पर अब उनके अपने गर्व करते हैं। ऐसे में ज्ञान, कला और संगीत की देवी के पूजन का पर्व और प्रासंगिक लगता है। वैसे भी वसंत पंचमी का त्योहार पौराणिक और धार्मिक महत्व का ही नहीं सृजनात्मक कार्यों की नई शुरुआत के लिए भी बहुत खास होता है। इस दिन बेटियां भी माता सरस्वती से अपनी प्रतिभा निखारने का आशीर्वाद मांगती हैं।

सशक्त बनाता स्नेह: हमारे घरों में अब बेटियों को देश की शिक्षित-सजग नागरिक बनाने वाला स्नेही भाव साफ दिखता है। यह बदलाव हर बालिका को सही मायने में सशक्त बनाने वाला है। कहते हैं कि अज्ञान का अंधकार दूर होने से ही जिंदगी में सुनहरा सवेरा होता है। मां सरस्वती की उपासना का यह पर्व भी मन को चेतनामयी बनाने का ही तो उत्सव है। देखने में आ रहा है कि अब बिटिया के जज्बाती भावों को नहीं, जागरूक सोच को भी जरूरी माना जाने लगा है। अपनी लाडलियों को प्रभावी व्यक्तित्व की धनी बनाने पर जोर दिया जाता है। जिसके चलते ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माता शारदा की उपासना की रीत वाले हमारे परिवेश में बेटियां भी अपनी बुद्धि और समझ के बल पर नित नए आसमान छू रही हैं। हर दिन अपनी जिजीविषा और प्रतिबद्धता के बल पर कुछ कर गुजरने के उदाहरण सामने आते रहते हैं।

भविष्य की बुनियाद: असल में वसंत की दस्तक को सार्थक विचारों का आगमन भी माना जाता है। बेटियों के प्रति बर्ताव में आया अर्थपूर्ण बदलाव, परिवार ही नहीं, पूरे समाज के भविष्य की बुनियाद बनाने की भी शुरुआत है। घर-परिवार में लाडलियों के प्रति लगाव का भाव उनके स्वतंत्र अस्तित्व और आकांक्षाओं की स्वीकार्यता के सुखद पहलू लिए है।

खबर संक्षेप

42 हजार 628 किसानों ने बनवाई फार्मर आईडी

झज्जर। सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रम डिजिटल एग्री स्टैक फार्मर आईडी अभियान को लेकर जिले के किसानों में उत्साह देखने को मिल रहा है। डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने बताया कि विशेष अभियान के अंतर्गत अब तक 42 हजार 628 किसानों की फार्मर आईडी बनाई जा चुकी है। इससे किसानों को भविष्य में कृषि से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि फार्मर आईडी किसानों की एक डिजिटल पहचान है, जिसके माध्यम से उन्हें फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि, सब्सिडी, बीज व खाद वितरण, ऋण सुविधाओं सहित अन्य कृषि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से प्राप्त होगा।

संकीर्तन में किया श्याम बाबा का गुणगान

बहादुरगढ़। प्राचीन श्री श्याम मंदिर विश्राम धाम में छठे श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। रविवार सायं 7 बजे से शुरू हुए इस भव्य संकीर्तन में बाबा श्याम के मधुर गुणगान से पूरा धाम भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम में श्री कृष्ण स्वरूपा नंद पुजारी, श्री कृष्ण कन्हैया पदरेणु महाराज, हरिओम मुदगिल व सीताराम के पावन सानिध्य में श्याम भजनों की अमृत धारा बही। संकीर्तन में दीपक शर्मा, राजन कौशिक, दीपक सोलंकी, निरंजन गर्ग, डिम्पी राम, सोनू चौहान, सुरेश अरखवंशी, राकेश व्यास, कुमार देवेंद्र, कुमारी लता, सुनीता सिंह व धीरेंद्र पाठक आदि का विशेष सहयोग रहा।

ग्राम सभा को लेकर नियम संशोधन अनुचित

बहादुरगढ़। सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) ने हरियाणा पंचायत राज संस्थान अधिनियम में संशोधन कर ग्राम सभा की बैठक के लिए 40 प्रतिशत की सदस्यों की उपस्थिति तय करने के फैसले का अव्यवहारिक करार दिया है। राज्य सचिव कॉमरेड राजेंद्र सिंह एडवोकेट और सचिव मंडल सदस्य अनूप सिंह मातनहेल ने कहा कि सरकार का यह फैसला पंचायती राज संस्थान को ध्वस्त करेगा। इससे विकास कार्य ठप होंगे। उनके अनुसार नए संशोधन में प्रावधान है कि पहली ग्राम सभा में 40 प्रतिशत की हाजिरी ना हो तो, फिर अगले मीटिंग में 30 प्रतिशत की हाजिरी और अगर 30 प्रतिशत की हाजिरी ना हो तो फिर 20 प्रतिशत की हाजिरी होनी पर्याप्त रहेगी। उन्होंने आह्वान किया कि ग्रामीण विकास को रोकने वाले इस नियम का सभी विरोध करें।

उत्तराखंड के सीएम का जताया आभार

बहादुरगढ़। राष्ट्रीय सैनी सभा के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष जसबीर सैनी ने दिल्ली स्थित उत्तराखंड भवन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। उन्होंने हरिद्वार में बनने वाले महात्मा ज्योतिबा फुले घाट की स्वीकृति देने पर उनका आभार जताया। इस अवसर पर नवीन दहिया, राजपाल सैनी, लवली, संजय सैनी, कृष्ण, अजित व सुभाष आदि मौजूद थे।

सरपंच ने गांव पहुंचे डीसी के सामने रखीं समस्याएं

रात्रि ठहराव: डीसी की युवाओं को नशे से दूर रहने की नसीहत

विभागीय कैंपों से ग्रामीणों को मिली सरकारी योजनाओं की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। गांव दुल्हेड़ा में रात्रि ठहराव के दौरान ग्रामीणों की समस्या सुनते हुए डीसी व अन्य अधिकारी।

सोमवार को दुल्हेड़ा गांव में जिला प्रशासन का रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजित हुआ। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान जिला प्रशासन के सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। विभागों ने शिविर लगाकर ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

उपायुक्त ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए कैंप का निरीक्षण किया। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में सरपंच ने ग्राम पंचायत दुल्हेड़ा की तरफ से और सरपंच छुड़ानी ने अपने गांव का मांग पत्र डीसी के समक्ष पढ़ा। उपायुक्त ने गांव के विकास व उन्नति के लिए समस्याओं को दूर करते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र तक सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। डीसी ने कहा कि रात्रि ठहराव कार्यक्रम के तहत प्रशासन खुद गांवों में पहुंचकर लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल कर रहा है। ग्रामीणों ने अपनी व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याएं डीसी के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए और ग्रामीणों को योजनाओं का पूरा लाभ मिले।

ग्रामीणों को साइबर क्राइम की दी जानकारी

डीसीपी मयंक मिश्रा ने कहा कि युवा गांव के विकास में योगदान दें। युवा नशे से दूर रहें व अपने सर्वांगीण विकास पर फोकस करें। ग्रामीणों को साइबर क्राइम को लेकर भी जागरूक किया। स्वास्थ्य विभाग ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी जांच करवाई। इसके अलावा कई विभागों ने अपने कैंप लगाए। अधिकारियों ने ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया समझाई। कार्यक्रम में एडीसी जगनिवास, एसडीएम अभिनव सिवाच, सीईओ मनीष फोगाट, डीआरओ मनबीर सांगवान, डीडीपीओ निशा तंवर, सीएमओ डॉ मंजु, डीआईपीआरओ सतीश कुमार, बीडीपीओ सुरेंद्र खत्री, उमेद सिंह देशवाल, सरपंच दुल्हेड़ा अमित देशवाल, सरपंच विनोद सहवाग मौजूद रहे।

सुरेहती गांव में ग्रामीणों को किया नशे के दुष्प्रभाव व साइबर फ्रॉड के प्रति जागरूक

- एएसआई पवन कुमार की टीम ने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया
- लोगों से कहा किसी अंजान को साझा न करें बैंक डिटेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करते हुए पुलिस टीम।

जिला पुलिस की एक टीम द्वारा गांव सुरेहती में ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव व साइबर फ्रॉड के प्रति जागरूक किया।

एएसआई पवन कुमार की टीम ने घर-घर जाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उन्हें नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति और सामाजिक माहौल को भी प्रभावित करता है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की गई। इसके साथ ही ग्रामीणों को साइबर फ्रॉड के मामलों के प्रति भी जागरूक किया गया। पुलिस ने फर्जी कॉल, ओटीपी मांगने, लिंक भेजकर ठगी करने और ऑनलाइन धोखाधड़ी के तरीकों के बारे में जानकारी दी तथा उनसे बचाव के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करें।

नशा मुक्त साइकिल जागरुकता यात्रा में लोगों को दिया संदेश

झज्जर। नशा मुक्त साइकिल जागरुकता यात्रा के दौरान मार्ग पर उपस्थित जत्था।

झज्जर। नशे को ना समिति द्वारा रोहतक से गुरुग्राम तक नशा मुक्त साइकिल जागरुकता यात्रा का आयोजन किया गया। रोहतक पुलिस प्रशासन के सहयोग से आयोजित इस 160 किलोमीटर की साइकिल जागरुकता यात्रा को रोहतक ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज सुलेंद्र ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नशे को ना समिति प्रधान व नशा मुक्त हरियाणा अभियान की ब्रांड एंबेसडर साइकिलिस्ट स्वीटी मलिक, राजप्रकाश धनखड़, मुकेश नैनकवाल, दीपक छारा व सर्वेश राठी ने रोहतक, झज्जर और गुरुग्राम जिले के रास्ते में पड़ने वाले गांवों व कस्बों के लोगों को जागरुक किया। इस मौके पर ईश्वर सिंह दलाल, रणबीर सिंह मलिक, रविंद्र सिंह मलिक, अजय हुड्डा, ईएसआई तेजपाल, अनिल, कृष्ण, अजय, आनंद, राकेश, दिनेश, मोहित, सोनू, नवीन, प्रदीप, सोमबीर, दिनेश कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। विश्व पुस्तक मेले के मुख्य द्वार पर उपस्थित शिक्षक।

एसआईएएसटीई के शिक्षकों ने किया विश्व पुस्तक मेले का भ्रमण

- शिक्षकों ने विभिन्न प्रकाशनों का अवलोकन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन टीचर एजुकेशन के शिक्षकों ने प्रगति मैदान दिल्ली में चल रहे विश्व पुस्तक मेले का भ्रमण किया। प्राचार्या डॉक्टर संतोष ने बताया कि भ्रमण के दौरान शिक्षकों ने विभिन्न प्रकाशनों का अवलोकन किया और कॉलेज लाइब्रेरी के लिए विषय-संबंधित पुस्तकें और प्रतियोगी परीक्षाओं के संसाधन खरीदे। उन्होंने बताया कि यह पहल न केवल विद्यार्थी समुदाय को लाभ पहुंचाएगी, बल्कि परिसर में एक मजबूत पठन संस्कृति को बढ़ावा देने में भी मदद करेगी।

इनेलो सरकार बनने पर तीन लाख युवाओं को देंगे रोजगार: करण सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेरी

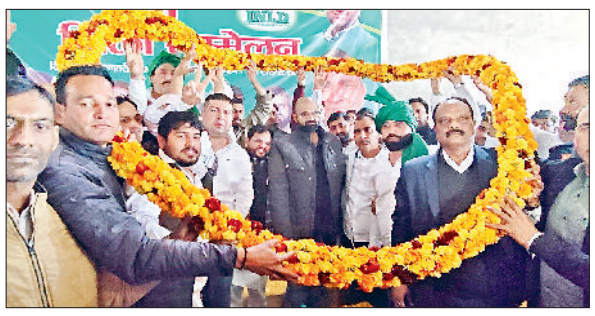

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान विशाल फूलमाला के बीच करण सिंह चौटाला एवं अन्य।

सोमवार को स्थानीय खेल स्टेडियम में आयोजित इनेलो के युवा सम्मेलन में कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उमड़ी। सम्मेलन में युवा इनेलो के राष्ट्रीय प्रभारी एवं सिरसा जिप चेयरमैन करण सिंह चौटाला ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान अपने संबोधन में करण सिंह चौटाला ने कहा कि प्रदेश में इनेलो की सरकार बनने पर तीन लाख युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं की उम्मीदों पर पूरी तरह विफल साबित हुई है और रोजगार व मूलभूत सुविधाएं देने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि इनेलो पार्टी ने हमेशा 36 बिरादरी के हितों में काम किया है। चौधरी देवीलाल और पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला की नीतियों को आगे बढ़ाते हुए पार्टी सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला जनता के हक की आवाज बुलंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज का युवा बदलाव चाहता है और यह बदलाव अब इनेलो के पक्ष में शुरू हो चुका है। इस अवसर पर जिला प्रभारी भूपेंद्र नफे सिंह राठी, युवा प्रदेशाध्यक्ष अरविंद गोस्वामी, जिलाध्यक्ष सतपाल पहलवान, युवा जिलाध्यक्ष अमरजीत कादियान, युवा हलकाध्यक्ष अंकित भारद्वाज, अमित गुलिया, सुनील कड़ौधा, सोनू मदाना, ओमबीर कासनी, आकाश भारद्वाज, मोहित शर्मा, पवन धनखड़ सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान पौधा भेंट करते हुए जोगेंद्र माछरौली।

सहकारिता से ही किसानों का समग्र उत्थान संभव : कौशिक

झज्जर। दी माछरौली बहुउद्देशीय प्राथमिक सहकारी समिति लिमिटेड परिसर में सतपाल चाहर की अध्यक्षता में हरकोफैड द्वारा सहकारी नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय एमपैक्स से जुड़े किसानों ने भाग लेकर सहकारिता से जुड़ी जानकारियां प्राप्त कीं। इस दौरान अपने संबोधन में हरकोफैड के जिला शिक्षा अनुदेशक एस एन कौशिक ने सहकारिता के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारी संस्थाएं किसानों की आर्थिक मजबूती का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि एमपैक्स को सुदृढ़ कर किसान सामूहिक प्रयास से अपनी आय बढ़ा सकते हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकते हैं। वहीं दी झज्जर केंद्रीय सहकारी बैंक के चेयरमैन जोगेंद्र माछरौली ने कहा कि सहकारी बैंक किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार और बैंक की योजनाओं का लाभ अंतिम किसान तक पहुंचे, इसके लिए सहभागिता और पारदर्शिता आवश्यक है।

मुंढलिया में बेजुबान गाय से दरिंदगी पुलिस ने काबू किए दो आरोपी

- दोनों पर प्लॉट से सामान चोरी करने का भी आरोप है

रेवाड़ी। मुंढलिया गांव में एक प्लॉट में बंधी गाय से दरिंदगी करते हुए दो लोगों ने मूत्राशय में डंडा डाल दिया। दोनों पर प्लॉट से सामान चोरी करने का भी आरोप है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। थाना सदर पुलिस को दर्ज शिकायत में मुंढलिया निवासी रविंद्र कुमार ने बताया कि गत 10 जून की रात उसने अपने प्लॉट से गांव में रह रहे मूल रूप से एमपी के नारायणपुर निवासी संतकुमार व गांव के ही कृष्ण को प्लॉट से निकलते हुए देखा था। प्लॉट से साइकिल व अन्य सामान भी गायब मिला था। अगले दिन सुबह जब वह गाय का दूध निकालने के लिए प्लॉट में गई, तो गाय के मूत्राशय से खून निकल रहा था। काफी समय तक खून बंद नहीं हुआ तो वह अपनी गाय को डोहकी के पशु अस्पताल ले गया। चिकित्सक ने जांच के बाद बताया कि गाय के मूत्राशय में डंडा डाला गया था, जिस कारण रक्तस्राव हो रहा है। दोनों पर प्लॉट से सामान चोरी करने का भी आरोप है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। थाना सदर पुलिस ने उसकी शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम सहित कई धाराओं के तहत केस दर्ज करने के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

पति सहित पांच ससुरालीजनों पर दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज

कोसली। बव्वा गांव की एक महिला ने अपने पति सहित पांच ससुरालीजनों पर दहेज प्रताड़ना, गाली गलौज, मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। विवाहिता सुशीला ने पुलिस को बताया कि उसका विवाह 21 साल पहले बव्वा गांव के संदीप से हुआ था। शादी में मेरे पिता ने अपनी हैसियत से ज्यादा दान दहेज दिया था, लेकिन उसके ससुराल वाले दिए गए दान दहेज से खुश नहीं थे तथा विवाह के बाद से ही उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। उसने दो बेटियों को जन्म दिया। ससुराल वालों को खुश रखने के लिए उसके पिता ने साढ़े चार लाख रुपये भी दिए। उसके पिता ने गांव में अलग प्लाट लेकर उसे मकान बनाकर दिया, जिसमें वह अपनी बेटियों के साथ रह रही है, लेकिन पति, देवर, ननद व दो अन्य रिश्तेदार उसे परेशान कर रहे है। शिकायत पर पुलिस ने उनकी काउंसलिंग कराने के बाद पांच आरोपियो के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

कासनी-ढाकला मार्ग पर पलटी गाड़ी एक युवक की मौत, परिवार में मातम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

कासनी से ढाकला जाने वाले मार्ग पर अज्ञात कारणों के चलते असंतुलित गाड़ी पलट गई। गाड़ी पलटने के कारण उसमें सवार एक युवक की मौत हो गई जबकि दो अन्य आंशिक रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान जिले के गांव साल्हावास निवासी युवक विकास उर्फ विक्की पुत्र जयपाल के तौर पर हुई है। मामले के जांच अधिकारी जिले सिंह ने बताया कि विकास उर्फ विक्की अपने दोस्त ढाकला निवासी रवि व सरौला निवासी योगेश के साथ सरौला से ढाकला जा रहा था। जब गाड़ी कासनी से ढाकला मार्ग पर पहुंची तो तेज गति होने के कारण वह पलट कर सड़क किनारे जा गिरी। इस घटना में जहां विकास उर्फ विक्की गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि रवि व योगेश को आंशिक चोटें आई। इसके बाद विकास उर्फ विक्की को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच अधिकारी जिले सिंह ने बताया कि इस संबंध में रवि की शिकायत पर गाड़ी चालक योगेश के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस द्वारा इस संबंध में नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

12 फरवरी को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल की सफलता को लेकर एक मंच पर आए विभिन्न कर्मचारी संगठन

- इस बार आरपार के मूड में दिख रहे कर्मचारियों के तेवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सोमवार को सर्व कर्मचारी संघ, सीआईटीयू, किसान सभा, नगरपालिका, बिजली विभाग, रिटायर्ड कर्मचारी संघ, ग्रामीण चौकीदार संघ, शिक्षा विभाग, पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन सहित विभिन्न संगठनों से जुड़े कर्मचारियों द्वारा लघु सचिवालय परिसर में प्रदर्शन किया गया। आगामी 12 फरवरी को की जाने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर किए गए इस प्रदर्शन की अध्यक्षता संयुक्त रूप से एसकेएस जिलाध्यक्ष रामबीर, किरण बरहाणा, बंसीलाल, राजेंद्र तुषामड, देवेंद्र सहरावत, सतीश अहलावत, संदीप, राजीव गुलिया, दिलबाग दलाल, संचालन सचिव नरेश कुमार की गई। प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों व राष्ट्र व्यापी हड़ताल के संबंध में एसडीएम अंकित चौकसे को ज्ञापन भी सौंपा। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि माननीय पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने का जो अहम फैसला लिया है, कर्मचारी उसका स्वागत करते हैं। उन्होंने इस फैसले को शीघ्र लागू करने की मांग करते हुए हरियाणा रोजगार कौशल निगम को भंग करने, कौशल निगम के अंतर्गत लगे सभी कर्मचारियों को नियमित करने, विभागों में रिक्त पड़े पदों को भरने व पुरानी पेंशन बहाली आदि की मांग की।

झज्जर। एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए कर्मचारी।

गांव-गांव पहुंचकर टीमें गठित

इस दौरान बारह फरवरी की हड़ताल को सफल बनाने के लिए जत्थे बनाने पर भी सहमति बनी जो गांव-गांव व ढाणियों में पहुंच कर टीमों का गठन करेंगे। इस मौके पर राजेंद्र जुलाना, दीपक यादव, श्रीभगवान, रमेश जाखड़, राजबीर राहर, राजेंद्र, विष्णु जांगड़ा, रविंद्र दलाल, बिजेंद्र सैनी, शिवम, गौरव, विकास उज्जैनवाल, कविता, सुमन, सुरेश, महेंद्र, राजेश, गजेंद्र, पुष्पा, यशोदा, मोहित, बलजीत, भूपेंद्र, सुदर्शन सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

शेयर मार्केट में मोटे मुनाफे का लालच देकर ठगी करने वाले दो और दबोचे

रेवाड़ी। साइबर थाना पुलिस ने शेयर मार्केट में मोटे मुनाफे का लालच देकर ठगी करने के मामले दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान महाराष्ट्र के मुम्बई के कोलीवाडा तरुण नगर निवासी राकेश श्री निवास नायडू व पिंटू मौर्या के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत वर्ष 24 जून को जिला गुरूग्राम के गांव कासन हाल आबाद द्वारकाधीश सोसायटी धारूहेड़ा निवासी पवन कुमार ने अपनी शिकायत में बताया था कि वह शेयर मार्केट में पैसा निवेश करना चाहता था। पुलिस ने मामले में संलिप्त चार आरोपी बिहार के जिला ईस्ट चंपारण के गांव रंजीता हाल गांव रघुनाथपुर निवासी रंजन कुमार, पश्चिम बंगाल के जिला अलीपुरदार के जयगांव निवासी दावा लाम्बा, जिला सिरसा के गांव चाहरवाला निवासी कुलदीप व महाराष्ट्र के मुंबई के सिद्धार्थ कालोनी चेम्बुर निवासी सुमित कुमार उर्फ गुड्डू को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने रविवार को मामले में संलिप्त दो और आरोपी राकेश श्री निवास नायडू व पिंटू मौर्या को भी गिरफ्तार कर लिया है।

सूचना

मैं, सुरेश कुमारी पत्नी स्व. रमेश कुमार निवासी 217, लोवा कलांन, तह. बहादुरगढ़ व जिला झज्जर बयान करती हूं कि मेरा पुत्र राकेश कुमार व पुत्रवधु सुशीला कुमारी मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सूचना

मैं, जय सिंह पुत्र श्री मीर सिंह निवासी पाना पाचोसिया, गांव माण्डौठी, तह. बहादुरगढ़ व जिला झज्जर बयान करता हूं कि मेरा पुत्र कृष्ण व पुत्रवधु पूजा मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

शहर के शास्त्री नगर में भंडारा 27 को

बहादुरगढ़। शहर के शास्त्री नगर में स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में मंगलवार 27 जनवरी को भगत धर्मवीर राठी की ओर से शुद्ध देशी घी का विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः सवा 9 बजे हवन के साथ होगी। इसके पश्चात सवा 11 बजे हनुमान जी को भोग अर्पित कर सवा 12 बजे से विशाल भंडारे का शुभारंभ होगा।

सदस्य चुने गए छिल्लर को दी बधाई

बहादुरगढ़। सर छोटूराम धर्मशाला सोसायटी के चुनाव में कॉलेजियम सदस्य चुने गए बाल विकास सीनियर सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर एडवोकेट प्रवीण छिल्लर ने सभी मतदाताओं का आभार जताया। छिल्लर को बधाई देते हुए समाज के सक्रिय नागरिकों ने उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने कहा कि सर छोटूराम धर्मशाला सोसायटी का उद्देश्य दीनबंधु के आदर्शों को आगे बढ़ाना है। वे सभी सदस्यों के सहयोग से धर्मशाला की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाएंगे।

हर वर्ग के सुझावों से बनेगा बजट

बहादुरगढ़। जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही ने कहा कि वर्ष 2026–27 का बजट सभी वर्गों के लिए कल्याणकारी साबित होगा। बतौर वित्त मंत्री बजट को लेकर सीएम नायब सैनी प्रदेश के हर वर्ग से सुझाव मांग रहे हैं। उन सुझावों के आधार पर एक समावेशी एवं जनहितैषी बजट तैयार किया जाएगा। जिसका लाभ समाज के सभी वर्गों को मिलना तय है। रविंद्र छिल्लर ने कहा कि सीएम नायब सैनी ने बजट निर्माण की प्रक्रिया में एक ऐतिहासिक और नायाब पहल की है। प्रदेश में पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से जनता का बजट तैयार किया जा रहा है। भाजपा के जिला महामंत्री रविंद्र छिल्लर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत–2047 के संकल्प को साकार करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आगामी बजट सही मायनों में जनता का बजट होगा, जो प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

रविंद्र छिल्लर बराही

खरखौदा के कर्मवीर सिंह बॉक्सिंग क्लब में 17 और 18 जनवरी को हुई स्पर्धा

नेशनल बॉक्सिंग में झटके 19 मेडल

स्पर्धा में बहादुरगढ़ की 11 लड़कियों व 8 लड़कों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

अहलावत बॉक्सिंग क्लब के बॉक्सरों ने खरखौदा में संपन्न हुई अंडर 14 ओपन नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। कर्मवीर सिंह बॉक्सिंग क्लब में 17 और 18 जनवरी को हुई स्पर्धा में बहादुरगढ़ की 11 लड़कियों व 8 लड़कों ने भाग लिया। कोच संदीप अहलावत ने बताया कि लड़कियों में प्रियंका ने 32-30 भार वर्ग में गोल्ड मेडल, कनिका ने 34-36 भार वर्ग में गोल्ड मेडल, मानसी ने 36-38 भार वर्ग में गोल्ड मेडल, हर्षिका मोर ने 40-44 भार वर्ग में गोल्ड मेडल, कुमकुम ने 44-46 भार वर्ग में गोल्ड मेडल, निधि ने 57-60 भार वर्ग में गोल्ड मेडल, राधिका ने 46-48 भार वर्ग में सिल्वर मेडल, रक्षिता ने 38-40 भार वर्ग में सिल्वर मेडल, रोहिना ने 40-42 भार वर्ग में सिल्वर मेडल, चंचल ने 48-50 भार वर्ग में सिल्वर मेडल, प्राची ने 48-50 भार वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीते। लड़कों में ऋषप ने 32-34 भार वर्ग में गोल्ड मेडल, कुनाल ने 44-46 भारवर्ग में गोल्ड मेडल, रुद्रा ने 65-70 भार वर्ग में गोल्ड मेडल, निखिल फोगाट ने 34-36 भार वर्ग में सिल्वर मेडल, शौर्य ने 40-42 भार वर्ग में सिल्वर मेडल, मयंक दलाल ने 60-65 भार वर्ग में सिल्वर मेडल, तक्ष ने 42-44 भारवर्ग में ब्रॉन्ज मेडल, जियांश ने 34-36 भारवर्ग में ब्रॉन्ज मेडल, हितेन ने 54-57 भार वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीते। इन सभी बॉक्सरों का बहादुरगढ़ पहुंचने पर रोहित अहलावत, तेजपाल सैनी, अनिल अहलावत, मनजीत मोर, अमित दहिया, प्रमोद दहिया, बलजीत दलाल, संदीप सहरावत, बलराज दलाल आदि ने जोरदार स्वागत किया।

बहादुरगढ़। पदक विजेता बॉक्सरों के साथ कोच संदीप अहलावत। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। स्कूल स्टॉफ सदस्यों के साथ उपस्थित विजेता खिलाड़ी।

विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

झज्जर। ऑल इंडिया ट्रेडिशनल रेसलिंग एंड पैंक्रेशन फेडरेशन द्वारा गोवा में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय खेलों में छुछकवास स्थित पैरामाउंट सीनियर सैकेंडरी स्कूल के खिलाड़ियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। तीन वर्गों में आयोजित इस प्रतियोगिता के अंडर-17 आयु वर्ग के 65 किलोग्राम भारवर्ग अतुल ने गोल्ड, पंकज ने ब्रांज मेडल हासिल किया है। स्कूल पहुंचने पर संस्था के चेयरमैन मंजीत फौगाट ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

बहादुरगढ़। टाटा मुंबई मैराथन में दौड़ने वाले बीआरजी के धावक। फोटो : हरिभूमि

टाटा मुंबई मैराथन में दौड़े बीआरजी के 25 धावक

बहादुरगढ़। देश की सबसे प्रतिष्ठित और एशिया की प्रमुख मैराथनों में शामिल टाटा मुंबई मैराथन में इस वर्ष लगभग 35 हजार धावकों ने भाग लिया। बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप (बीआरजी) के 25 धावकों ने 42 किलोमीटर की कठिन फुल मैराथन सफलतापूर्वक पूरी कर क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय मंच पर रोशन किया। बीआरजी के संस्थापक एवं कोच दीपक छिल्लर के नेतृत्व में धावकों ने कठिन मौसम और चुनौतीपूर्ण मार्ग के बावजूद शानदार जज्बा दिखाया। बीआरजी के धावक राकेश सरन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फुल मैराथन 3 घंटे 1 मिनट में पूरी की। सेवा राम ने 3 घंटे 30 मिनट, नरेंद्र राम ने 3 घंटे 40 मिनट, गुलाब सिंह ने 3 घंटे 45 मिनट तथा देवेंद्र किशोर प्रसाद ने 3 घंटे 47 मिनट में 42 किलोमीटर की दूरी तय की। महिला वर्ग में ललिता पांडेय ने 4 घंटे 48 मिनट में फुल मैराथन पूरी कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। महेश चंद, अवधेश कुमार, एंटनी जॉन, त्रिलोक चंद, गिरीश, सुरेंद्र दलाल, रजत कौशिक, अनुराग शर्मा, सुदेश तोमर, अनील शर्मा, शिवानी, कुमोदिनी, सुधीर शौकीन, हिमांशु सिंह, उत्कर्ष, हरदेश कुमार व दिनेश जोशी ने भी 42 किलोमीटर फुल मैराथन सफलतापूर्वक पूरी की। दीपक छिल्लर ने कहा कि 35 हजार धावकों के बीच बहादुरगढ़ के 25 धावकों द्वारा फुल मैराथन पूरी करना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

दस दिवसीय कौशल विकास एवं आपदा मित्र एनसीसी कैंप का समापन, कैडेट्स को किया पुरस्कृत

झज्जर। सैन्य अधिकारियों व शिक्षकों के साथ मंच पर उपस्थित सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देने वाली महिला कैडेट्स। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। संस्कारम पब्लिक स्कूल में आयोजित दस दिवसीय कौशल विकास एवं आपदा मित्र एनसीसी प्रशिक्षण शिविर सोमवार को संपन्न हो गया। बीती 11 जनवरी से शुरू हुए इस सघन प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स ने अनुशासन, तकनीक और सेवा का जो पाठ सीखा, उसका प्रदर्शन समापन सत्र के दौरान स्पष्ट रूप से देखने को मिला। कार्यक्रम के अंतिम दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट रहने वाले कैडेट्स के लिए मेडलिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। शिविर के समापन पर आठ बटालियन हरियाणा एनसीसी रेवाड़ी के कमांडिंग ऑफिसर वीरेंद्र मोहन सिंह और सूबेदार मेजर राकेश कुमार ने संस्कारम स्कूल की मुक्तकंठ से सराहना की। कमांडिंग ऑफिसर वीरेंद्र मोहन सिंह ने कहा कि प्रदेश के बहुत कम शिक्षण संस्थान ऐसे हैं जो शिक्षा के साथ-साथ सैन्य प्रशिक्षण के महत्व को इतनी गंभीरता से समझते हैं। सूबेदार मेजर राकेश कुमार ने स्कूल के खान-पान और आवास व्यवस्था को बेहतरीन बताते हुए इसे कैडेट्स के लिए एक होम अवे फ्रॉम होम करार दिया। समापन अवसर पर संस्कारम ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने एनसीसी अधिकारियों और प्रशिक्षण टीम को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि हमारे लिए गर्व का विषय है कि सैन्य अधिकारियों ने हमारे प्रयासों को सराहा। शिविर के दौरान आयोजित ड्रिल प्रतियोगिता, मैकेनिकल मोटर इंजीनियरिंग टास्क, पेंटिंग और आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल में अव्वल रहने वाले कैडेट्स को मेडल प्रदान किए गए। इस दौरान एनसीसी कार्यवाहक मनीष योगी ने बताया कि इस दौरान कैडेट्स द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई।

प्रश्नोत्तरी में सीजल और भाषण में प्रीति रही प्रथम

- विभिन्न महाविद्यालयों से आईं प्रतिभाशाली छात्राओं के बीच कड़ा और रोचक मुकाबला देखने को मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

राजकीय महिला महाविद्यालय बहादुरगढ़ में प्राचार्या अलका गुलाटी के दिशा-निर्देशन में जिला स्तरीय अंतर-महाविद्यालय भाषण एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. सुदेश राठी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संयोजिका डॉ. सीमा के नेतृत्व में डॉ. रीना, डॉ. मंजू व डॉ. सुशीला ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रतियोगिताओं में विभिन्न महाविद्यालयों से आईं प्रतिभाशाली छात्राओं के बीच कड़ा और रोचक मुकाबला देखने को मिला।

बहादुरगढ़। प्रतियोगिता के शुभारंभ पर स्टॉफ के साथ प्रतिभागी छात्राएं।

प्रतियोगिता के परिणाम

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राजकीय महिला महाविद्यालय बहादुरगढ़ की सीजल, द्वितीय स्थान राजकीय महाविद्यालय बहू की प्रीति, तृतीय स्थान राजकीय महिला महाविद्यालय कुलाना की अनामिका ने प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय बहू की प्रीति ने प्रथम स्थान, राजकीय महिला महाविद्यालय बहादुरगढ़ की सीजल ने द्वितीय स्थान और गवर्नमेंट पीजी नेहरू कॉलेज की सिमरन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में डॉ. ललिता, डॉ. मंजू, तनवीर, दीपा व रेखा शामिल रहे। डॉ. सुदेश राठी ने सभी विजेता छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झज्जर। अतिथियों के साथ मंच पर उपस्थित विजेता प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

चार सौ मीटर दौड़ में शीतल व डिस्कस थ्रो में सुदेश ने पाया पहला स्थान

झज्जर। सोमवार को जिले के गांव मातनहेल में खंड स्तरीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के लिए 300 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़ एवं साइकिल रेस तथा 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए 100 मीटर दौड़, डिस्कस थ्रो एवं म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिताएं कराई गई। कार्यक्रम में एसएमओ डॉक्टर विजय पूनिया, मातनहेल सरपंच विजयलता, आईसीडीएस विभाग से डीपीओ सपना, सीडीपीओ राजबाला आदि ने विशेष रूप से शिरकत की। प्रतियोगिता परिणामों में 300 मीटर दौड़ में हुमांयूपुर की दिशा प्रथम, रूढ़ियावास की पायल द्वितीय व मातनहेल की हर्षिता तृतीय रही। 400 मीटर दौड़ में अकेहड़ी मदनपुर से शीतल ने पहला, खोरड़ा गांव से सुमन ने दूसरा तथा इसी गांव की प्रिया ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। साइकिल रेस में अकहेड़ी मदनपुर से नेहा पहले, मातनहेल से मुस्कान दूसरे व बहू गांव से रविना तीसरे स्थान पर रही। 100 मीटर दौड़ में मातनहेल की टीना प्रथम, ज्योतिका द्वितीय व खोरड़ा निवासी सुमन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डिस्कस थ्रो में सुदेश मातनहेल प्रथम, सरिता मातनहेल द्वितीय व सुनीता रूढ़ियावास तृतीय रही। म्यूजिकल चेयर रेस में छुछकवास की सरस्वती पहले व कविता दूसरे व राजवंती तीसरे स्थान पर रही। प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने वाली सभी महिला प्रतिभागियों को प्रोत्साहन राशि व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंच का संचालन बालेश जाखड़ ने किया।

जेडआरयूसीसी के सदस्य बने अमित सिंह

बहादुरगढ़। शहर के निवासी अमित सिंह को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। उनको रेल मंत्रालय के अंतरगत क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (जेडआरयूसीसी) का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा विशेष चयन श्रेणी के अंतरगत की गई है। समिति का उद्देश्य यात्रियों की सुविधाओं, रेलवे सेवाओं की गुणवत्ता और उपयोगकर्ताओं से जुड़े मुद्दों को रेलवे प्रशासन तक पहुंचाना होता है। अपनी नियुक्ति पर अमित ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। वे इस दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा, लगन और ईमानदारी के साथ करेंगे तथा यात्रियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएंगे। बता दें कि अमित पूर्व में भी रेल मंत्रालय से जुड़े विभिन्न कार्यों में सहभागिता निभा चुके हैं और डीआरयूसीसी के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

अमित सिंह।

बहादुरगढ़। कार्यशाला में नृत्य कला का प्रशिक्षण देती दिपाली प्रह्लाद मलिक।

चार दिवसीय शास्त्रीय नृत्य कार्यशाला शुरू

बहादुरगढ़। राजकीय महाविद्यालय बहादुरगढ़ में महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में चार दिवसीय शास्त्रीय नृत्य कार्यशाला का उद्घाटन सोमवार को हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य दलवीर सिंह ने की। उन्होंने छात्राओं के सर्वांगीण विकास में कला एवं संस्कृति की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।भरतनाट्यम एवं शास्त्रीय नृत्य में विशारद उपाधि प्राप्त प्रशिक्षित कलाकार दिपाली प्रह्लाद मलिक द्वारा कार्यशाला संचालित की जा रही है। मलिक ने अपने समृद्ध अनुभव एवं शास्त्रीय प्रशिक्षण के आधार पर छात्राओं को भरतनाट्यम की सूक्ष्मताओं से परिचित कराया। उन्होंने भरतनाट्यम की मूल मुद्राओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को उनकी तकनीक समझाई और व्यवहारिक रूप से अभ्यास भी करवाया। कार्यक्रम का सफल आयोजन महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका हीरा रापड़िया के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने बताया कि सांस्कृतिक जागरूकता एवं आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। महिला प्रकोष्ठ सदस्य अनुराधा समरवाल, पूनम व भावना सहित महाविद्यालय की समस्त महिला स्टाफ सदस्यों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

कामर्स ओलंपियाड में अंकुश ने हासिल किया फर्स्ट रैंक

झज्जर। स्कूल प्रबंधन समिति सदस्यों के साथ कॉमर्स ओलंपियाड के उत्तीर्ण विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास के छात्र अंकुश जाखड़ ने कॉमर्स ओलंपियाड में ऑल इंडिया फर्स्ट रैंक प्राप्त कर संस्थान व प्रदेश का नाम रोशन किया है। ओलंपियाड एक्सपर्ट आशीष यादव ने बताया कि भारत कॉमर्स ओलंपियाड में देशभर से दस विद्यार्थियों को पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। जिसमें पांच विद्यार्थी उनके संस्थान से हैं। अंकुश जाखड़ के अलावा निखिल ने पांचवां, दीपक ने छठा, मयंक ने आठवां, ऋषभ ने नौंवा रैंक हासिल किया। इस शानदार उपलब्धि पर एचडी ग्रुप सचिव हेमंत गुलिया ने बताया कि विद्यालय के कॉमर्स के छात्र हर दिन नई मंजिलों को छू रहे हैं। अंकुश जाखड़ को कॉमर्स फॉउंडेशन की तरफ से 15 हजार का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इस उपलब्धि पर एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव विशाल नेहरा व प्राचार्य सतबीर सिंह ने उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

युवाओं को करवाया सूर्य नमस्कार का अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

हरियाणा योग आयोग एवं आयुष विभाग हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे सूर्य नमस्कार अभियान के अंतर्गत सोमवार को राजीव गांधी खेल परिसर सिलानी में युवाओं को योगाभ्यास कराया गया। योगाचार्य महावीर ने बताया कि सूर्य नमस्कार अभियान के हर ब्लॉक में नोडल ऑफिसर नियुक्त किए गए हैं और इस पूरे अभियान की मॉनिटरिंग जिला योग कोर्डिनेटर डॉक्टर पवन देशवाल द्वारा की जा रही है। ब्लॉक की नोडल ऑफिसर डॉक्टर सुमन ने बताया कि मंत्रों के साथ सूर्य नमस्कार का अभ्यास करने से शारीरिक मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास होता है। यह अभियान आगामी 12 फरवरी तक चलेगा। इस मौके पर डॉक्टर नमिता जाखड़, कुश्ती कोच कदम, ग्राम प्रधान महावीर, नरेंद्र पहलवान, राजपाल, अरुण शास्त्री सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। खेल परिसर में योगाभ्यास करते युवा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

विधायक राजेश जून ने नशा बेचने वालों की सूचना देने का किया आह्वान

नशा मुक्त बहादुरगढ़ बनाने के लिए जताई प्रतिबद्धता

- जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों ने विधायक राजेश जून का स्वागत सम्मान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

विधायक राजेश जून ने गांव सांखोल व परनाला में वार्षिक जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान नशा बिक्री से संबंधित समस्या सामने आने पर विधायक राजेश जून ने आह्वान किया कि कहीं भी किसी प्रकार के नशे की बिक्री होने की सीधी जानकारी उन्हें दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और नशा बेचने का कारोबार करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों ने विधायक राजेश जून का स्वागत सम्मान किया। राजेश जून ने दोनों गांव में पिछले एक वर्ष में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी दी। साथ ही मौजूदा समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। नशा मुक्त बहादुरगढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्धता जताई। सांखोल गांव में ग्रामीणों की मांग पर विधायक ने आश्वस्त किया कि स्टेडियम में आवश्यक कार्य व पेयजल समस्या का समाधान शीघ्र कराया जाएगा। स्कूल निर्माण से संबंधित प्रस्ताव की फाइल वे स्वयं देखेंगे और अधिक बजट स्वीकृत कराकर आधुनिक सुविधाओं से युक्त भव्य स्कूल बनवाया जाएगा।

बहादुरगढ़। नशे के विरुद्ध ग्रामीणों को सचेत करते विधायक राजेश जून।

40 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया

पंचायत द्वारा भूमि उपलब्ध कराए जाने पर गांव में डिस्पेंसरी निर्माण भी कराया जाएगा। विधायक राजेश जून ने स्पष्ट कहा कि क्षेत्र में किसी भी कीमत पर नशे की बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता के सहयोग से पूरे क्षेत्र को नशा मुक्त बनाया जाएगा। परनाला गांव में विधायक ने बताया कि यहां विकास कार्यों के लिए 20 लाख पहले और 20 लाख अब कुल मिलाकर 40 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया है और सभी समस्याओं का जल्द समाधान करवाया जाएगा।